शिक्षण का अर्थ

"शिक्षण का अर्थ सीखने में सहायता करना।"
शिक्षण में अध्यापक द्वारा बालक को एक निश्चित स्थान एक विशिष्ट वातावरण में पाठ्यक्रम के अनुसार परिवर्तन किया जाता है।

शिक्षण की परिभाषाएं

- **रायबर्न के अनुसार**

"शिक्षण के तीन बिंदु हैं शिक्षक , शिक्षार्थी एवं पाठ्यवस्तु। इन तीनों के बीच संबंध स्थापित करना ही शिक्षा है। यह संबंध बालक की शक्तियों का विकास करता है।"

- **जैक्सन के अनुसार**

"शिक्षण दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच आमना-सामना है जिसमें एक व्यक्ति (अध्यापक) दूसरे व्यक्ति (छात्र) में विशेष परिवर्तन लाना चाहता है।"

शिक्षण की प्रकृति

- शिक्षण एक उद्देश्य पूर्ण प्रक्रिया है।
- एक विकासात्मक प्रक्रिया है।
- शिक्षण सामाजिक व व्यवसायिक प्रक्रिया है।
- शिक्षण एक उपचार विधि है।
- शिक्षण एक तार्किक क्रिया है।

शिक्षण की विशेषताएं

- केंद्रित प्रणाली है।
- शिक्षण में बालक के पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखा जाता है।
- शिक्षण सामाजिक प्रक्रिया है।
- शिक्षण आमने सामने होने वाली प्रक्रिया है।
- शिक्षण लक्ष्य शिक्षा सहयोगात्मक होता है।
- शिक्षण सीखने का संगठन है।
- शिक्षण में बालक की कमियों का पता करके उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाता है।
- शिक्षण त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है।

शिक्षण के महत्व

- शिक्षण बालक के व्यवहार में परिवर्तन करने की प्रक्रिया है।
- शिक्षण एक उद्देश्य पूर्ण प्रक्रिया है।
- शिक्षण सामाजिक प्रक्रिया है।
- शिक्षा व्यावसायिक प्रक्रिया है।
- शिक्षण तार्किक प्रक्रिया है जिसमें तर्क करने का गुण भी विकसित होता है ।

शिक्षण में समस्याएं

- बालक एवं अध्यापक के बीच संबंध स्थापित करने की समस्या
- कक्षा में अनुशासन की समस्या
- कक्षा में उपद्रवी बालकों की समस्या
- वयक्तिक भिन्नता की समस्या

THANK YOU

By Mr. Janmey Jay Mahato

Asst. Prof.

B.B.M.B.Ed.College, Sardaha,Chas,Bokaro

Date:-09/08/2022